आवधिक पाठ्यक्रम

2019-20

कक्षा – 8 **विषय – हिंदी**

पाठ्य पुस्तक – वसंत, भाग – 3, भारत की खोज

प्रथम सत्र (अप्रैल, 2019 से सितम्बर, 2019)

पाठ सं.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	अधिगम- संप्राप्ति	अधिगम उद्देश्य
पाठ .1	**ध्वनि**	कविता	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - कल्पनाशीलता का विकास होगा, - वसंत ऋतु की प्राकृतिक विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे, - कवि की ऊर्जा, स्फूर्ति एवं उत्साह के कारणों को जान सकेंगे एवं स्वयं उसका अनुसरण कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 2.	**लाख की चूड़ियाँ**	कहानी	कामतानाथ	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योग की उपयोगिता को समझने में सक्षम होंगे, - ग्रामीण सामाजिक परिवेश एवं वहां की आर्थिक गतिविधियों से परिचित हो सकेंगे, - उद्योगों में मशीनों के बढ़ते उपयोग से परंपरागत ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के ह्रास को समझेंगे, - मानव श्रम के मूल्य को आत्मसात कर सकेंगे,

					- मशीनों के बढ़ते प्रयोग से मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे ।प्रयोग करने में समर्थ होंगे । - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 3.	**बस की यात्रा**	व्यंग्य	हरिशंकर परसाई	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - साहित्य में हास्य-व्यंग्य से परिचित होंगे, - यात्रा-साहित्य से परिचित होंगे, - विषम परिस्थितयों में स्व-विवेक से निर्णय लेने में सक्षम होंगे, - आस-पास घटने वाली घटनाओं से अनुभव प्राप्त कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 4.	**दीवानों की हस्ती**	कविता	भगवतीचरण वर्मा	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - जीवन में स्वछंदता और स्वतंत्रता के अंतर को समझ सकेंगे, - सुख और दुःख के रूप में जीवन के दोनों पहलुओं को समान भाव से देखने के संदर्भ से परिचित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 5.	**चिट्ठियों की अनूठी**	निबंध	अरविन्द कुमार सिंह	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान	- निबंध विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे,

	दुनियाँ			एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- पत्रों के इतिहास,सामाजिक संदर्भ और महत्त्व से परिचित होंगे, - वर्तमान संदर्भ में भी पत्र की प्रासंगिकता और महत्त्व को समझ सकेंगे, - पत्र एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ है,इस तथ्य से अवगत होंगे, - महापुरुषों द्वारा किए गए पत्र-व्यवहार से परिचित होंगे, - पत्र लिखने के लिए प्रेरित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ .	**चिट्ठियाँ (केवल पढ़ने के लिए)**	कविता	रामदरश मिश्र	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ,	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - पत्रों के प्रतीक रूप में वर्तमान में मनुष्य के एकाकी-जीवन की विसंगतियों से परिचित होंगे, - सामाजिक समरसता के लिए प्रेरित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 6.	**भगवान के डाकिये**	कविता	रामधारी सिंह दिनकर	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - देश की सीमाओं से परे एकल-विश्व की अवधारणा से परिचित होंगे, - भगवान के डाकिये के रूप में पक्षी और बादलों के कार्यों और विशेषताओं से परिचित होंगे, - पर्यावरण में पक्षी और बादलों के महत्त्व को जान सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 7.	**क्या निराश हुआ जाए**	निबंध	हजारी प्रसाद द्विवेदी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान	- निबंध विधा से परिचित होंगे

				एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - मनुष्य की सकारात्मक और नकारात्मक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे, - अपनी मित्रता में सेवा-भाव,समर्पण और त्याग की भावना लाने का प्रयास करेंगे, - अपने जीवन में नैतिक मूल्य के रूप में ईमानदारी को अपना सकेंगे, - समाज में परस्पर सहयोग के महत्त्व को समझेंगे, - जीवन में निराशा को दूर रखने का प्रयास करेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 8.	**यह सबसे कठिन समय नहीं**	कविता	जय जादवानी	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - जीवन में कठिन समय की अवधारणा को समझ सकेंगे, - परिवार के महत्त्व को समझ सकेंगे, - जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण को विकसित कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ .	**पहाड़ से ऊँचा आदमी (केवल पढ़ने के लिए)**	जीवनी	सुभाष गाताडे	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- जीवनी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - दशरथ माँझी के व्यक्तित्व,जीवन और दृढ़ इच्छाशक्ति से परिचित होंगे, - दशरथ माँझी की उपलब्धियों से परिचित होंगे, - पाठ में आये अनेक पौराणिक कथाओं से परिचित होंगे, - अपने जीवन में भी आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति को आत्मसात कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से

			परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
भारत की खोज	• अहमदनगर का किला • तलाश • सिन्धु घाटी की सभ्यता **पूरक पाठ्य-पुस्तक केवल पठन के लिए है। मूल्यांकन में इससे प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।**	• ऐतिहासिक तथ्यों से परिचित होंगें। • पाठ के वाचन, अनुच्छेद पठन तथा लेखन का अभ्यास करेंगे। • शब्द, अर्थ आदि के साथ योग्यता का विकास होगा। • पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए प्रश्न बनाते व पूछते हैं। पाठ में आए नए शब्दों के अर्थ संदर्भ के अनुसार समझते तथा उसे 3–4 वाक्यो ंमे ंलिखने का प्रयास करते हैं।
व्याकरण	• वर्णमाला और मात्राओं का अभ्यास • वचन • संज्ञा एवं सर्वनाम–परिभाषा, भेद, उदाहरण तथा प्रयोग • वाक्यांश के लिए एक शब्द • पर्यायवाची शब्द • कारक चिह्नों की पहचान एवं प्रयोग • **पाठ्यपुस्तक में वर्णित अन्य व्याकरणिक बिंदु**	• भाषा एव ंभाषाई अवयवों से परिचित होंगे तथा प्रयोग करेंगे। • श्रुतलेख, आलेख का अभ्यास करेंगे। • भाषा गत बारीकियों को ध्यान में रखते हुए उनका बोलने व लिखने में प्रयोग करते हैं। • दिए गए शब्दों को वर्ण क्रमानुसार व्यवस्थित कर सकते हैं तथा उनका प्रयोग सुनिश्चित कर सकते हैं। • कारक चिह्नों की पहचान एवं प्रयोग कर सकते हैं तथा उनका प्रयोग सुनिश्चित कर सकते हैं। • विलोम, पर्यायवाची, समानार्थी का आशय ग्रहण कर सकते हैं। • पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे।
पत्र लेखन	• औपचारिक पत्र लेखन • अनौपचारिक पत्र लेखन (छात्रों की आवश्यकता एवं रुचि के अनुसार) यथा मित्र एवं सम्बन्धी को पत्र/**दैनिक जीवन में उपयोगी औपचारिक पत्र** • **पानी की टूटी हुई पाईप-लाइन**	❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। ❖ अपनी आवश्यकता, रूचि और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। ❖ अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं।

	बदलने की सूचना देते हुए दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी को पत्र लिखिए| • अपने मोहल्ले की किसी एक समस्या के बारे में बताते हुए किसी महत्त्वपूर्ण समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए| • जल बचाने की सलाह देते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए| • आपने गर्मी की छुट्टियाँ किस प्रकार बिताईं? इसके बारे में बताते हुए मित्र/सहेली को पत्र लिखिए| ▪ **उपरोक्त पत्र संकेत मात्र हैं | इस प्रकार के अन्य पत्रों के लेखन का अभ्यास करवाया जाए |**	❖ अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
निबंध	❖ छात्रों की रूचि, अवसर,अधिगम,आवश्यकता के अनुसार निबन्ध लेखन • स्वच्छता अभियान • हरी-भरी दिल्ली • मेरा/मेरी प्रिय खिलाड़ी • वर्षा-ऋतु ▪ **उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं | इस प्रकार के अन्य शीर्षकों से सम्बंधित निबंधों का लेखन-**	❖ अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।

	अभ्यास करवाया जाए।				
पुनरावृति **मध्यावधि परीक्षा**					
द्वितीय सत्र (अक्टूबर, **2019** से मार्च, **2020** तक)					
पाठ 9.	**कबीर की सखियाँ**	कविता	कबीर	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा के रूप में साखी शब्द से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - कबीर की साखी की विशेषताओं के बारे में जानेंगे, - कबीर की भाषा से परिचित होंगे, - कबीर की साखियों में अभिव्यक्त नैतिक आदर्शों को समझने का प्रयास करेंगे, - अपने आचरण और व्यवहार में भी कबीर की शिक्षाओं को आत्मसात करने का प्रयास करेंगे, - सामाजिक समरसता में में कबीर के योगदान के बारे में जान सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 10.	**कामचोर**	कहानी	इस्मत चुगताई	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- जीवनी विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - एकल-परिवार और संयुक्त परिवार के बीच के अंतर को समझ सकेंगे, - सयुंक्त परिवार की विशेषताओं से परिचित होंगे, - अपने दैनिक कार्यों को स्वयं करने के लिए प्रेरित होंगे, - बाल-सुलभ शरारतों और उससे होने वाली परेशानियों - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।

पाठ11 .	**जब सिनेमा ने बोलना सीखा**	आलेख	प्रदीप तिवारी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- आलेख विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - भारत में सिनेमा के प्रादुर्भाव,विशेषकर पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' की निर्माण प्रक्रिया से परिचित होंगे, - फिल्म में अभिनय करने वाले कलाकार और फिल्म के निर्देशक से परिचित होंगे, - साहित्य और समाज में सिनेमा के योगदान का अनुमान कर सकेंगे, - सिनेमा निर्माण के आवश्यक घटकों जैसे पटकथा,संवाद,अभिनय,निर्देशन , तकनीक आदि पहलुओं से परिचित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ .	**कम्पूटर गाएगा गीत (केवल पढ़ने के लिए)**	आलेख	ऋत्विक घटक	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण,	- आलेख विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - संगीत के क्षेत्र में हो रहे नित नए परिवर्तन और तकनीकी प्रयोगों के बारे में जान सकेंगे, - संगीत निर्माण में कंप्यूटर एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भूमिका से परिचित होंगे, - कुछ प्रमुख संगीतकारों और गीतकारों के बारे में जान सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे,
पाठ 12.	**सुदामा चरित**	कविता	नरोत्तम दास	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ,	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता की प्रसिद्ध पौराणिक कथा से परिचित होंगे, - सच्ची मित्रता की कसौटियों को जान सकेंगे यथा ऊँच-नीच,अमीर-गरीब,जाति-पांति आदि मित्रता में अवरोधक

				प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	नहीं होते हैं,इस तथ्य से परिचित होंगे, - श्रीकृष्ण और सुदामा के व्यक्तित्व से परिचित होंगे, - पाठजनित व्यंग्य का आनंद ले सकेंगे, - उच्च पद या समृद्धि प्राप्त करने के बाद व्यक्ति का व्यवहार कैसा होना चाहिए,इस तथ्य को समझ सकेंगे, - ब्रज-भाषा की कविता के सौंदर्य से परिचित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 13.	**जहाँ पहिया है**	रिपोतार्ज़	पी. साईनाथ	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- रिपोतार्ज़ शब्द से परिचित होते हुए विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - साइकिल के दैनिक जीवन में उपयोगिता एवं महत्त्व को समझ सकेंगे, - पुदुकोट्टई (तमिलनाडु) में हुए साइकिल आन्दोलन एवं इस आन्दोलन से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में हुए परिवर्तन के बारे में जानेंगे - साइकिल किस प्रकार सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक हो सकता है? इस बात को जान सकेंगे, - महिलाओं की स्वाधीनता, गतिशीलता, स्वावलंबन एवं आत्मविश्वास आदि के महत्त्व के बारे में जान सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ .	**पिता के बाद (केवल पढ़ने के लिए)**	कविता	मुक्ता	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ,	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - परिवार में लड़कियों की अहमियत को समझेंगे, - लड़की किस प्रकार परिवार में खुशियों का स्रोत होती है, इस तथ्य के बारे में जान सकेंगे, - परिवार और समाज में लड़कियों की बदलती हुई भूमिका

					के बारे में जान सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 14.	**अकबरी लोटा**	कहानी	अन्नपुर्नानंद वर्मा	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - कहानी के पात्रों की विशेषताओं और घटनाक्रमों के बारे में बता सकेंगे, - कहानी में छिपे हास्य एवं व्यंग्य का आनंद ले सकेंगे, - विरासत की वस्तुओं के महत्त्व के बारे में जान सकेंगे, - विषम परिस्थितयों में अपनी बुद्धि और वाक्-चातुर्य से परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाने की क्षमता से प्रभावित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 15.	**सूर के पद**	कविता	सूरदास	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - ब्रज-भाषा की कविता के भाषाई सौंदर्य से परिचित होंगे, - बाल-सुलभ मनोभावों एवं जिज्ञासाओं के बारे में जान सकेंगे, - श्रीकृष्ण की बाल-सुलभ चेष्टाओं, क्रियाओं और शरारतों के बारे में जान सकेंगे, - सूरदास के वात्सल्य भाव का अनुभव कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 16.	**पानी की कहानी**	निबंध	रामचंद्र तिवारी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ,	- निबंध विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - पानी के उद्भव की प्रक्रिया और जल- चक्र के बारे में जान

				मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	सकेंगे, - जल के विविध स्रोतों (प्राकृतिक एवं कृत्रिम) के बारे में जान सकेंगे, - जल के विविध स्वरूपों के बारे में जान सकेंगे, - जीवन में पानी के महत्त्व को समझ सकेंगे, - जल संरक्षण के बारे में जान सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ .	**हम पृथ्वी की संतान (केवल पढ़ने के लिए)**	आलेख	प्रभु नारायण	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण,	- आलेख विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - 'पर्यावरण' शब्द के निर्माण एवं अर्थ को जान सकेंगे, - प्रथम पर्यावरण दिवस ,5 जून 1972 के बारे में जान सकेंगे, - 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है,इस तथ्य से परिचित होंगे, - पर्यावरण दिवस क्यों मनाया जाता है,इस तथ्य से परिचित होंगे, - प्रकृति एक विशाल पारिस्थितिक तंत्र है,इसके बारे में जान सकेंगे, - पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 17.	**बाज़ और साँप**	कहानी	निर्मल वर्मा	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं	- कहानी विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - बाज़ और साँप की स्वाभाविक विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे, - सीमाओं के बंधन और स्वाधीन जीवन के अंतर के बारे में जान सकेंगे,

				का अभ्यास	- स्वतंत्रता के लिए प्राण न्योछावर करने की भावना के बारे में जान सकेंगे, - वीरता और दृढ़ निश्चय के मूल्यों को समझ सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 18.	**टोपी**	कहानी	सृंजय	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - मनुष्य जीवन में पोशाक की आवश्यकता और पोशाक से पड़ने वाले प्रभाव को समझ सकेंगे, - कपास से पोशाक बनने तक की प्रक्रिया के बारे में जान सकेंगे, - बेगारी प्रथा के प्रचलन एवं दुष्प्रभाव के बारे में जान सकेंगे, - श्रम एवं उसके उचित पारिश्रमिक की अनिवार्यता के महत्त्व के बारे में जान सकेंगे, - श्रमिक वर्ग की दयनीय दशा के कारणों के बारे में जान सकेंगे, - राजतंत्र में मजदूरों और श्रमिकों की सोचनीय आर्थिक स्थिति के कारणों से परिचित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
भारत की खोज		• नई समस्याएँ • अन्तिम दौर • तनाव • दो पृष्ठभूमियाँ • उपसंहार **पूरक पाठ्य-पुस्तक केवल पठन के**			• ऐतिहासिक तथ्यों से परिचित होंगें। • पाठ के वाचन, अनुच्छेद पठन तथा लेखन का अभ्यास करेंगे। • शब्द, अर्थ आदि के साथ योग्यता का विकास होगा। • पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए प्रश्न बनाते व पूछते हैं। • पाठ में आए नए शब्दों के अर्थ संदर्भ के अनुसार समझते तथा उसे 3–4 वाक्यो ंमे ंलिखने का प्रयास करते हैं।

	लिए है| मूल्यांकन में इससे प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे|	
व्याकरण	• रचना के आधार पर वाक्य भेद(**पहचान और प्रयोग**) • अर्थ के आधार पर वाक्य भेद(**पहचान और प्रयोग**) • संधि और संधि-विच्छेद **(केवल स्वर संधि)** • उपसर्ग एवं प्रत्यय • पर्यायवाची शब्द • विशेषण, विलोम, संज्ञा, सर्वनाम, भाषा एवं लिपि की पुनरावृत्ति **(पाठ्यपुस्तक में वर्णित अन्य व्याकरणिक बिंदु)**	• भाषा एव भाषाई अवयवों से परिचित होंगे तथा प्रयोग करेंगे। • श्रुतलेख, आलेख का अभ्यास करेंगे। • भाषा गत बारीकियों को ध्यान में रखते हुए उनका बोलने व लिख**ने** में प्रयोग करते हैं। • संधि और संधि-विच्छेद **(केवल स्वर संधि) की पहचान एवं उनका** अभ्यास करेंगे। • रचना के आधार पर वाक्य भेद**,** अर्थ के आधार पर वाक्य भेद **की पहचान करते हैं|** • दिए गए शब्दों को वर्ण क्रमानुसार व्यवस्थित कर सकते हैं तथा उनका प्रयोग सुनिश्चित कर सकते हैं। • उपसर्ग एवं प्रत्यय**,**पर्यायवाची का आशय ग्रहण कर सकते हैं। • पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे|
पत्र लेखन	• छात्रों की रूचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर औपचारिक**/अनौपचारिक** पत्र • अपने मुहल्ले में कूड़ेदान की उचित व्यवस्था हेतु नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए| • अपनी साइकिल चोरी की सूचना देते हुए थाना-प्रभारी (SHO) को पत्र लिखिए| • विद्यालय में श्रेष्ठ छात्र के रूप में चयनित होने की सूचना देते	❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। ❖ अपनी आवश्यकता, रूचि और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। ❖ अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं। ❖ अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को

	हुए पिताजी को पत्र लिखिए| • मित्र/सहेली को उसके जन्मदिन पर न आने का कारण बताते हुए पत्र लिखिए| ▪ **उपरोक्त पत्र संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य पत्रों के लेखन का अभ्यास करवाया जाए।**	सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
निबंध	❖ छात्रों की रूचि, अवसर, आवश्यकता, अधिगम के अनुसार निबन्ध लेखन • परिश्रम का महत्त्व • मेरा मनपसंद पर्यटन-स्थल • मोबाइल से लाभ और हानि • मेरे जीवन का उद्देश्य ▪ **उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य शीर्षकों से सम्बंधित निबंधों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए|**	❖ अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
पुनरावृति वार्षिक परीक्षा		

नोट :–

✯ वार्षिक परीक्षा में प्रथम सत्र के **व्याकरणिक बिन्दुओं के साथ** निम्न पाठों से भी प्रश्न पूछे जाएँगे :–

- लाख की चूड़ियाँ
- बस की यात्रा
- भगवान के डाकिए